

छंद शास्त्र में एक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में सात गुरु अक्षर होते हैं, शीर्ष रूपक।

**शिस्त स्त्री.** (फा.) 1. निशाना, लक्ष्य, सीध 2. मछली पकड़ने का काँटा 3. वह अंगुलीत्राण या अंगुष्ठाना जिसे दरजी या तीरंदाज उँगली में पहनते हैं, अँगूठा 4. दूरबीन की तरह का एक प्रकार का यंत्र जिससे जमीन नापने के समय सीध आदि देखी जाती है।

**शिस्तबाज वि.** (फा.) लक्ष्यवेधी, निशानेबाज, शिस्त लगाकर मछली पकड़ने वाला।

**शिहलक पुं.** (तत्.) शिलारस, शिहल, शैलेय, गंध द्रव्य।

**शी स्त्री.** (तत्.) निद्रा, शांति, लेटना, शयन, लेट जाना, विश्राम करना, आराम करना, भक्ति।

**शीआ पुं.** (अर.) मुसलमानों के दो बड़े संप्रदायों में से एक जो मुहम्मद के बाद अली को ही खिलाफत का हकदार और उनके पहले के तीन खलीफाओं को अपहारक मानता है, शीया।

**शीकर पुं.** (तत्.) 1. तुषार, ओस, शीत, जाड़ा, ठंड, सूक्ष्म वृष्टि, फुहार, रिमझिम वर्षा, हवा से फेंके गए जलकण, पानी की बूँद 2. सरल नामक वृक्ष या उसका गोंद, गंध-बिरोजा, धूप नामक गंध द्रव्य।

**शीघु पुं.** (तत्.) मदिरा शराब, ऊख के रस को सड़ाकर बनाई जाने वाली शराब।

**शीघ्र क्रि.वि.** (तत्.) बिना विलंब किए या देर लगाए, द्रुत, जल्दी, अविलंब, क्षिप्र, चटपट, तत्क्षण, तुरत, तुरंत, आशु, तत्काल, झट, खटाखट, सत्वर, त्वरित, झटपट, निकट भविष्य में पुं. दंती नामक वृक्ष, ग्रहयोग ज्योति. वायु।

**शीघ्रकारी वि.** (तत्.) तुरत काम करने वाला, फुर्तीला, चुस्त, तुरत असर करने वाला (भोजन, औषध, उपाय आदि) पुं. सन्निपात ज्वर का एक भेद।

**शीघ्रकोपी वि.** (तत्.) जल्द क्रुद्ध हो जाने वाला, चिड़चिड़ा, क्रोधी।

**शीघ्रग वि.** (तत्.) द्रुतगामी, तेज चलने वाला पुं. वायु, सूर्य, खरगोश।

**शीघ्रगामी वि.** (तत्.) जल्दी-जल्दी या तेज चलने वाला, शीघ्रग, द्रुतगामी, सत्वरगामी, आशुगामी, अविलंबगामी, क्षिप्रगामी।

**शीघ्रता स्त्री.** (तत्.) जल्दी, फुरती, अविलंबत्व, क्षिप्रता, आतुरता, आशुता, उतावलापन, उतावली, त्वरा, द्रुतता, आतुरी, आशुता, क्षिप्रता।

**शीघ्रपतन पुं.** (तत्.) नारी संभोग के समय वीर्य का शीघ्र स्खलन, गिरना, जल्दी झड़ना या झड़ जाना।

**शीघ्रबुद्धि वि.** (तत्.) कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण बुद्धि वाला, तेज बुद्धि वाला।

**शीघ्रवेधी वि.** (तत्.) निशाने पर तुरंत तीर चलाने वाला, कुशल बाण चलाने वाला, लघुहस्त, कुशल लक्ष्यवेधी, तेज धनुर्धर।

**शीघ्रा स्त्री.** (तत्.) दंती वृक्षा।

**शीघ्रावधि वि.** (तत्.) जिसकी अवधि बहुत कम हो, शीघ्र चुकाने योग्य (ऋण आदि)।

**शीघ्रावधि द्रव्य पुं.** (तत्.) वाणिज्य में ऐसा उधार जिसे ऋणदाता किसी भी समय वापस माँग सकता है, ऐसी शर्त पर उधार के लिए उपलब्ध राशि।

**शीघ्रिय वि.** (तत्.) तेज, तीव्र पुं. 1. विष्णु, शिव 2. बिल्लियों की लड़ाई।

**शीघ्री वि.** (तत्.) 1. शीघ्र काम करने वाला, शीघ्रकारी, शीघ्रगामी, तुरत उच्चारण करने वाला 2. तेज चलने वाला, शीघ्रगामी, सत्वर, फुर्तीला।

**शीघ्र्य पुं.** (तत्.) शीघ्रता, जल्दी, तेजी, चुस्ती।

**शीट स्त्री.** (अं.) 1. धातु या शीशे आदि का पतला और समतल बड़ा टुकड़ा, चादर, चद्दर 2. कागज या गत्ते आदि का तत्व या तख्ता।

**शीत वि.** (तत्.) ठंडा, शीतल, आलस्य युक्त, निद्रालु पुं. 1. तापमान के गिरने या कम हो जाने के कारण शरीर में होने वाली वह अनुभूति जिसमें अधिक कपड़े ओढ़ने या धूप, आग आदि तापने की इच्छा होती है, जाड़ा, सर्दी, जाड़े के